

## नरियात संवर्द्धन परिषद

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises-M/o MSME) ने MSMEs के विकास के लिये एक स्थायी पारस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से नरियात संवर्द्धन सेल की स्थापना की है।

### महत्त्वपूर्ण बढि

- MSMEs को नमिनलखिति लाभ होने की संभावना है-
- ◆ उत्पादों और सेवाओं के नरियात हेतु MSMEs की तत्परता का मूल्यांकन।
- ◆ वैश्विक मूल्य श्रृंखला में MSMEs का एकीकरण।
- ◆ उन क्षेत्रों की पहचान जहाँ प्रभावी ढंग से और कुशलता से नरियात करने में सूक्ष्म बनने हेतु सुधार आवश्यक हैं।
- वाणज्यिकि खुफिया और सांख्यिकी महानदिशालय (DGCIS) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2017-18 के दौरान MSMEs क्षेत्र से नरियात की वर्तमान स्थिति, MSMEs संबंधित उत्पादों का मूल्य 147,390.08 मिलियन डॉलर है और देश के कुल नरियात में MSMEs संबंधित उत्पादों की हस्सेदारी 48.56% है।
- MSMEs के नरियात संबंधित सभी हस्तक्षेपों की कुशल और प्रभावी डलीवरी सुनिश्चित करने हेतु मंत्रालय ने एक गवर्नगि काउंसलि बनाने का प्रस्ताव रखा है, जिसकी अध्यक्षता सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव और सह-अध्यक्षता सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के विकास आयुक्त (Development Commissioner) द्वारा की जाएगी।
- इस काउंसलि में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और वाणज्य मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नरियात संवर्द्धन परिषद, नरियात विकास प्राधिकरण, कमोडिटी बोर्ड और अन्य नकियों के वरषिठ अधिकारी और सदस्य शामिल होंगे।
- ◆ 2020 तक 100 बलियन डॉलर नरियात का लक्ष्य पूरा करने हेतु एक कार्य योजना भी प्रस्तावित की जानी है।

### स्रोत- पीआईबी(PIB)